Synergy

BSES

BSES Rajdhani Power Limited

जनवरी – फरवरी 2009

अफगान मंत्री ने किया बीएसईएस का दौरा

अफगानिस्तान के बिजली उपमंत्री श्री अहमद वली शैरजे के नेतृत्व में एक उच्च प्रतिनिधिमंडल ने बीएसईएस का दौरा किया और, कम बिजली दरों पर बीएसईएस द्वारा संचालित की जा रही बेहतरीन वितरण व्यवस्था, तथा कंपनी की सफलताओं आदि के बारे में बीएसईएस मैनेजमेंट से जानकारी हासिल की।

श्री शैरजे के साथ आए प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे– इंजीनियर अब्दुल मलिक (काबुल बिजली विभाग के उपप्रधान), श्री हाजिर शीर अहमद (हेरांट बिजली विभाग के प्रमुख), और श्री ताज मोहम्मद (जंक्शन स्टेशन के निदेशक)।

बाद में, अफगान प्रतिनिधिमंडल बीएसईएस के स्टेट ऑफ द आर्ट सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (स्काडा) सेंटर भी गया। उल्लेखनीय है कि स्काडा सेंटर बीएसईएस की बिजली वितरण व्यवस्था का केंद्रबिंदु है। प्रतिनिधिमंडल ने बीएसईएस के अनुभवों, चुनौतियों और व निनजीकरण प्रक्रिया से मिली सीख आदि के बारे में भी जानना चाहा।

इस विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने बीएसईएस द्वारा एटीएंडसी घाटों में लाई गई कमी को सराहा और यह जानकर आश्चर्यचकित रह गए कि बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने इन घाटों में क्रमश: 52.8 प्रतिशत और 47.2 प्रतिशत की कमी की है। बीएसईएस के वर्ल्ड क्लास कस्टमर केयर, बिजली वितरण में आईटी की भूमिका, और कंपनी द्वारा उपयोग में लाई जा रही तकनीक जैसे– जीआईएस व एएमआर, निवेशों और एचवीडीएस के बारे में जानने में भी प्रतिनिधिमंडल ने दिलचस्पी दिखाई।

अपनी इस यात्रा से प्रभावित श्री शैरजे ने विजिटर बुक में लिखा– प्रजेंटेशन काफी सूचनात्मक था, उपलब्धियां वाकई शानदार हैं, तथा बिजली क्षेत्र में सीधी मदद के लिए काफी संभावनाएं हैं।

विश्वसनीय बिजली आपूर्ति के लिए...अपना लोड चेक करें

वितरण तंत्र में कोई भी कमजोर कड़ी हो, तो नेटवर्क में खराबी आ जाती है और नेटवर्क ठप हो सकता है। यह कमजोर कड़ी होती है ओवरलोडिंग।

ओवरलोडिंग की वजह से आपके इलाके में कई बार अघोषित कटौती होती है। बिजली आपूर्ति में अघोषित बाधा हमेशा बिजली की कमी या अंडर/ लो फ्रिक्वेंसी की वजह से ही नहीं होती, कई बार बिजली की ज्यादा खपत या ज्यादा बिजली खींचने के कारण भी अघोषित कटौती होती है।

आखिर ओवरलोडिंग है क्या! मान लीजिए, आपके पास 5 किलोवॉट का बिजली कनेक्शन है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आप ने बिजली से चलने वाले कई उपकरण, जैसे– एयर कंडीशनर, गीजर, ब्लोअर, आदि खरीदे हैं। पर, अपना बिजली का लोड 5 किलोवॉट से 7 या 10 किलोवॉट नहीं कराया। इससे न सिर्फ वितरण नेटवर्क पर बोझ पड़ता है जिससे बिजली गुल होती है, और यह न सिर्फ सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है, बल्कि नियमों का भी उल्लंघन है, जिससे जुर्माना हो सकता है।

हमारे नेटवर्क को बिजली लोड के पूर्वानुमान के हिसाब से डिजाइन और समय समय पर अपग्रेड किया जाता है। यह पूर्वानुमान, उपभोक्ता द्वारा बताए गए उसके बिजली के लोड (उसे जितनी मात्रा में बिजली की जरूरत है) पर आधारित होता है। इसलिए, आपके द्वारा बताई गई लोड की जरूरत और उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि समय के साथ आप अपने बिजली के लोड को बढ़वाएं। यह न सिर्फ बिजली नेटवर्क के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि आप तक गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी यह आवश्यक है। इस तरह, विश्वसनीय, सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति की जिम्मेदारी जितनी वितरण कंपनियों की है, उतनी ही उपभोक्ताओं की भी है। यह जरूरी है कि कनेक्टेड लोड, आपके सैंक्शंड लोड के बराबर हो और एक माह में सर्वाधिक मांग कभी भी सैंक्शंड लोड से ज्यादा न हो।

इसलिए, आप जब कभी भी कनेक्शन के लिए आवेदन दें, सही सैंक्शंड लोड के लिए कहें। और, जब घर में बिजली से चलने वाला कोई नया सामान लेकर आएं, तो अपना लोड बढ़वाएं। लोड बढ़वाने के लिए आपको घरेलू कनेक्शन के लिए प्रति किलोवॉट 600 रूपये और, व्यावसायिक कनेक्शन के लिए प्रति किलोवॉट 1500 रूपये जमा कराने होंगे। अपना सही बिजली लोड जानने के लिए, आप किसी लाइसेंसधारी इलेक्ट्रिशियन की सेवाएं ले सकते हैं।

सैनिक फार्म्स का विद्युतीकरण शुरू

बीएसईएस ने, सैनिक फार्म्स में रह रहे लोगों को भी बिजली देने का फैसला किया है। सच तो यह है कि सैनिक फार्म्स के कुछ इलाकों का विद्युतीकरण किया भी जा चुका है और, वहां उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग– डीईआरसी– से, सैनिक फार्म्स में विद्युतीकरण के लिए हरी झंडी मिल चुकी है।

वर्तमान में बीएसईएस इन इलाकों में अपना नेटवर्क बिछा रही है– वेस्टर्न एवेन्यू, अनुपम गार्डन्स, नेब वैली और फॉरेस्ट लेन। 1967 में अस्तित्व में आने के बाद से अब तक इस पॉश इलाके के निवासी निजी बिजली ठेकेदारों पर निर्भर थे, जो डीजल जेनरेटर्स के माध्यम से उन्हें 10–15 रूपये प्रति यूनिट की महंगी दरों पर बिजली उपलब्ध कराते थे।

सौनिक फार्म्स के विद्युतीकरण पर बीएसईएस 22 करोड़ रूपये खर्च कर रही है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका 400 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है और इसकी 20, 000 से अधिक की आबादी है। इलाके में स्टेट ऑफ द आर्ट लो वॉल्टेज डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम– एलवीडीएस– तकनीक का उपयोग किया जा रहा है और इसके तहत, पूरी तरह से इंसुलेटेड एरियल बंच्ड केबल्स – एलटीएबी– प्रयोग में लाई जा रही हैं। एक ओर जहां ये केबल्स गुणवत्तायुक्त और स्थिर बिजली की आपूर्ति सुनिश्चत करेंगी, वहीं दूसरी ओर ये कटिया लगाकर की जाने वाली बिजली चोरी को भी रोकेंगी।

इसके अलावा, इलाके के विद्युतीकरण के तहत, यहां करीब 60 ट्रांसफॉमर्स भी लगाए जाएंगे। इनमें से 7 ट्रांसफॉर्मर्स अनुपम गार्डन्स, नेब वैली और वेस्टर्न एवेन्यू में लगाए जा चुके हैं। बाकी बची कॉलोनियों, जैसे– करियप्पा मार्ग, डिफेंस सर्विसेज एन्क्लेव, नेब सराय एक्सटेंशन व अन्य में वैध बिजली पहुंचाने की दिशा में काम हो रहा है और उम्मीद की जा रही है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

हम सुन रहे हैं... डायल कीजिए 39999707